ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–49
दिनांकः मंगलवार, 30 जून, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.1 एवं 24.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 89 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 77 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.3 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 32.6 एवं दोपहर में 36.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि 134.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(01–05 जुलाई, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 1 जुलाई से 5 जुलाई, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान उत्तर बिहार के अधिकांश स्थानों में गरज–चमक, वज्रपात तथा तेज हवा चलने की संभावना है। विशेष रूप से 1–3 जून के दौरान अधिकांश क्षेत्र में मध्यम वर्षा हो सकती है, एक–दो स्थानों पर भारी वर्षा का भी अनुमान है।
- वर्षा की इस गतिविधि के चलते तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आने का अनुमान है। अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 31–33°C के बीच रहने की संभावना है, जबकि बेगूसराय जिले में अधिकतम तापमान अपेक्षाकृत अधिक होकर 35–37°C तक पहुँच सकता है। न्यूनतम तापमान 22–26°C के बीच रहने का अनुमान है।
- सुबह में सापेक्ष आर्द्रता 80–85 प्रतिशत तथा दोपहर की सापेक्ष आर्द्रता 35–40 प्रतिशत के आसपास रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि में हवा मुख्यतः पूर्वी दिशा से 12–18 किमी प्रति घंटा की गति से चल सकती है।

समसामयिक सुझाव

- **धानः** पिछले कुछ दिनों में काफी अच्छी वर्षा हुई है। वर्तमान वर्षा को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे नीचली जमीन में वर्षा जल का उपयोग कर खरीफ धान की रोपनी प्रारम्भ कर सकते है। मध्यम अवधि वाली धान की किस्मों (*राजेन्द्र नीलम, राजेन्द्र भगवती, राजेन्द्र सरस्वती* एवं *राजेन्द्र श्वेता*) की नर्सरी में बीज गिराने का कार्य जारी रखें। बुआई से पूर्व बीजों को कार्बेन्डाजिम/2.0 ग्राम/किग्रा बीज की दर से उपचारित करें। 10–12 दिन की आयु वाली बीजस्थली में समय पर निराई–गुड़ाई करें तथा खरपतवार नियंत्रण सुनिश्चित करें। जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा तथा लंबी अवधि वाली धान की तैयार नर्सरी उपलब्ध है, वे रोपाई प्रारम्भ कर सकते हैं। रोपाई केवल उन खेतों में करें जहाँ आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो।
- **खरीफ प्याजः** किसान खरीफ प्याज की नर्सरी तैयार कर सकते हैं। नर्सरी क्यारियों में बुआई से पूर्व पर्याप्त मात्रा में सड़ी हुई गोबर की खाद अथवा कम्पोस्ट मिलाएँ। *एग्रीफाउंड डार्क रेड (ए.डी.आर.), एन–53, भीमा सुपर* एवं *अर्का कल्याण* किस्मों का चयन करें। *ए.डी.आर.* किस्म की नर्सरी ऊँची क्यारियों पर तैयार करें तथा अधिक वर्षा से बचाव हेतु लगभग 1.5 मीटर ऊँचाई पर अस्थायी पॉलीथीन आवरण लगाएँ। प्रमाणित एवं विश्वसनीय स्रोतों से गुणवत्तायुक्त बीजों की व्यवस्था करें।
- **तिलः** खरीफ तिल की बुआई मध्य जून से मध्य जुलाई तक किया जा सकता है। बुआई के हेतु अच्छी जल निकास वाली ऊँचास जमीन का चयन करें। बुआई से पूर्व बीजों को थीरम/2 ग्राम/किग्रा बीज से उपचारित कर 30×10–15 सेमी की दूरी पर बुआई करें। खेत की तैयारी के समय 60क्विंटल कम्पोस्ट/हेक्टेयर तथा 40:20:20किग्रा/हेक्टेयर (नत्रजन:फास्फोरस:पोटाश) का प्रयोग करना जरूरी हैं। उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित किस्में *कृष्णा, कालिका, कांके सफेद* एवं *प्रगति (एम.टी.–75)* प्रमुख हैं ।
- **सब्जियाँः** हाल ही हुई अच्छी वर्षा को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे ऊँचास जमीन में भिंडी, कद्दू, खीरा, नेनुआ एवं लौकी की बुआई प्रारम्भ करें। खेत में जल निकास की समुचित व्यवस्था बनाए रखना बहुत जरूरी है क्योंकि जलभराव से बीज अंकुरण और पौध को नुकसान हो सकता है। खेत में खड़ी सब्जी फसलों में नियमित निराई–गुड़ाई एवं अन्य अंतरवर्ती कृषि कार्य करें। मृदा की नमी के अनुसार 5–7 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें। पत्ती खाने वाली इल्ली एवं फल छेदक कीट की नियमित निगरानी करें तथा प्रकोप होने पर साफ मौसम में डाइमेथोएट 30 ई.सी./1.0–1.5 मि.ली./लीटर पानी का छिड़काव करें।
- **खरीफ मक्काः** वर्तमान वर्षा का लाभ उठाते हुए किसान भाई खरीफ मक्का की बुआई शीघ्र संपन्न करें। अंतिम जुताई के समय 100–150 क्विंटल/हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद तथा 30:60:50 किग्रा/हेक्टेयर (नत्रजन:फास्फोरस:पोटाश) का प्रयोग करें। *शक्तिमान–2, शक्तिमान–5, शक्तिमान–6* एवं *राजेन्द्र शंकर मक्का–3* किस्मों की खेती करें।
- **मोटे अनाज (श्री अन्न):** वर्तमान मौसम मोटे अनाजों की बुआई के लिए अनुकूल है; किसान भाई बुआई प्रारम्भ करें। ऊँचास एवं अच्छी जल निकास वाली जमीन का चयन करें। रागी (मडुआ) के लिए *राजेन्द्र मडुआ, आर.यू.–8* एवं *आर.यू.–3* तथा कौनी के लिए *राजेन्द्र कौनी–1* किस्म की खेती करें।

आज का अधिकतम तापमानः 30.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 23.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी